सामाजिक पुनरुत्थान की प्रक्रिया में ग्रामीण विकास कार्यक्रमों के परिणामस्वरूप दुर्बल वर्गीय दलित परिवारों की सामाजिक प्रस्थितियों में हो रहे आधुनिक परिवर्तन एवं उसके बदलते प्रतिमान– एक समाजशास्त्रीय विश्लेषण(आजमगढ़ जनपद के सर्वेक्षित गाँवों में अध्ययनरत्, 300 चमार परिवारों के विशेष संदर्भ में)

आलोक कुमार वर्मा

प्रस्तुत शोध प्रपत्र में शोधार्थी ने आजमगढ़ जनपद के 4 सर्वेक्षित गाँवों–बद्दोपुर, जमालपुर, आजमपुर एवं किशुनदासपुर में अध्ययनरत् 300 चमार परिवारों के अवलोकनात्मक अध्ययन से प्राप्त अनुभवात्मक तथ्यों के विश्लेषणोंपरान्त सामाजिक पुनरुत्थान की प्रक्रिया में ग्रामीण विकास कार्यक्रमों के परिणामस्वरूप दुर्बल वर्गीय दलित वर्ग के अनुसूचित जातीय–चमार परिवारों की सामाजिक प्रस्थितियों में हो रहे आधुनिक परिवर्तन एवं उसके बदलते प्रतिमान का समाजशास्त्रीय विश्लेषण किया है।

उत्तर प्रदेश प्राप्त के पूर्वांचल में समाज सुधार आन्दोलनों, संवैधानिक प्राविधानों, आरक्षण व्यवस्था, समन्वित ग्रामीण विकास योजना, सामाजिक कल्याण कार्यक्रमों एवं आधुनिकीकरण की प्रक्रियाओं का ग्रामीण क्षेत्रों में आवासित दलित वर्ग के अनुसूचित जातीय–चमार के पारिवारिक व्यवस्था एवं सामाजिक प्रस्थिति पर बहुत ही कम प्रभाव दृष्टिगोचर हो रहा है। ग्रामीण क्षेत्रों के सर्वेक्षण से यह अभिज्ञान होता है कि दलित वर्ग के अनुसूचित जातीय–चमार की पारिवारिक व्यवस्था एवं सामाजिक प्रस्थिति में परिवर्तन की गति मन्द है।